

असाधारण EXTRAORDINARY

NFI III—EVE 1
PART III—Section 1

माधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25] No. 25] नई विल्ली, सोमबार, नवस्बर 24, 1986/अग्रहायण 3, 1908

NEW DELHI, MONDAY, NOV. 24, 1986/AGRAHAYANA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की काली हैं जिससे कि यह अहग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) भजन रेंज 5

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1986

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-डे के श्रधीन सूचनाएं।

निर्देण सं. म्राई. ए. सा. मर्जन III/5/37 ईई/2-86/1601:—यतः, मुझे, श्री मस्रोक मनजन्या मायकर मधि-नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मधिनियम' कहा गया है) को घारा 269ख के अधिन सक्षम मधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 र. से मधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो क्लेट नं. 506, पांचवा खंड, 17, यूसफ सराय, नई दिल्ला में स्थित है (और इसमे उपायक अनुसूची में पूर्व का से याजत है), आयकर अधिकारों के कार्यानय, सहायम

सायकर भायुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज 5 नई दिल्तों में भारत य रिजस्ट्र करण सिंधितियम, 1961 के अर्धन तार ख फरवर। 86 को पूर्वोक्त संप्रति के जिल्ल खन्तरित का गई है और मुझे कम वृश्यमान प्रतिफल के लिल्ल खन्तरित का गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिन्न का जिल्लाम मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगृत स्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहरेष से जबत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रघेन कर देने के अन्तराल के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसः किसी भाग या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधृनियम,

1922 (1922 का 1)या घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269-घ का उप-धारा (1) के अबीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्यात्:---

- श्री भनोट प्रापटींस एंड इंडस्ट्री लि .
 102-103, राजा हाउस, 30-31, नेहर पलेस, नई दिल्नी-19 (प्राप्तरक)
- 2 श्रं मतः स्वर्नर्भ त चिमनी और मिस्टर विकमजीत सिष्ठ विमनी 2981, फेस-7, मोहली, पंजाब । (अन्ति कि)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भा आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना को तामाल से 30 दिन का अविधि जो बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसा धाकित द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राज-पत्न में प्रकाशन की तारेख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भाग व्यक्ति द्वारा श्रंथीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहे प्रायक द् प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यहां प्रयोहीगा; जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुभूचे≀

फ्लेट नं. 506, पांचवा खंड लग मा क्षेत्र 300 वर्ग फीट पनाट कंस्ट्रक्टिड पनाट नं. 17, यूनक सराय, दिल्ला, ।

तार.ख भोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE V

New Delhi, the 14th November, 1986

NOTICES UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. 37-EE|2-86|1601-IAC|Acq. III.—Whereas I A.K. Manchanda being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, Property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 506 on fifth floor, on Plot No. 17, Yusuf Sarai, New Delhi, and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range V, New Delhi on February, 86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrufent of transfer with the object of:

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of rection 269D of the sald Act to the following persons namely:—

- (1) M/s. Bhanot Properties & (Transferor) Industries Limited 102-103, Raja House, 30-31, Mehru Place, New Delhi
- (2) Mrs. Swaranjeet Chinni-2981 Phaire-VII Mohali, Punjab-160061.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULF

Flat No. 506 on fifth floor having an approx, area of 300 sq. ft. on the plot to be constructed on plot No. 17, Yusuf Sarai, Community Centre.

Dated 1-4-86.

निर्देश सं. भाई ए सी/मर्जन-III/37-ईई/2-86/1602:--. श्रतः मुझे, श्री अशोक मनचन्दा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रविनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्रविधारों को यह विष्यात करने का कारण है कि स्थावर नम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-छ. से प्राधिक है और जिसका संख्या.....है सवा जो प्लेट नं. 505, पांच्या खंड, लगनग क्षेत्र 300 वर्ग फट प्लाद्धनं . 17, यूसुफ भराय, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), आयन्तर अधिकार के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) श्रजैन रेंज 5 नई दिल्ले में भारतीय रजिस्ट्रे करण श्रिधिनियम, 1961 के प्रजीन तार ख फरवरा 1986का पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कमासे कम दुर्थमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे पढ़ विख्यात करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उविल-ग्राजार मूल्य, उत्तके दुश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पत्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (भ्रन्तरितियों) के ब.च ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई कितं आय की वाबत आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) के अवीन कर देते के अन्तरक के दावित्व में कमी करने मा उसने बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी हिना थान या किसा धन या धना आस्तियों को, जिन्हें भारत य अनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या, धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ कारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

थतः प्रव उनत प्रधिनियम को धारा 209-म के प्रनुसरण मैं, उनत प्राधिनियम का धारा 209-घ का उप-धारा (1) के प्रजीन निम्नामिखित व्यक्तियों, प्रयोत् :---

- 1. श्री भनोट प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्र.ज लिमि. 102-103, राजा हाउस, 30-31, मेहर प्लेस, ,नई विल्ला। (भन्तरक)
- 2. श्री कर्नल बोरेंब्र सिंह चीमनी और मिसीत सेरेना हिल्ली 2981, फैस-7, मोहली, पंजाब।

(भ्रन्तरितः)

का यह सूजन, जारा करके पर्वोषत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह शुरु करता है। एक्त सम्पत्ति के अर्जन के ब संबन्ध में कोई भो आक्षप

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या र पर सूचना की तामोल से 30 दिन की श्रवधि जो बाद में समाप्त होता हो, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस भूचना के राज-पत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भागर उपत स्थापर समानि में हिनबद्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पान लिखन में किए जा लोगे।

स्पष्टाकरण:--इयमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जी श्रायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) के अव्याप 20-क में यया-परिभाषित है, यहा श्रय हाना, जो उन प्रधाय में दिया गना है।

सन् सूच*।*

फतेट नं. 505, पांचना खंड, लगनग क्षेत्र 300 वर्ग फोट

प्लाट कस्ट्रक्टिङ प्लाट नं. 17, युनूफ सराय, दिल्ला।

अगाक भनचन्दा, सक्षम श्रविकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रवनिरीज-5

तारीख: 14-11-86 मोहर

Ref. No. 37-EE|2-86|1602-IAC|Acq.III.—Whereas I A.K. Manchanda being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 505 on fifth floor, situated at 17, Yusuf Sarai, Community Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC V Range, New Delhi on February, 1936, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I necessary initiate proceeding for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:

- (1) Mls. Bhanot Properties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delai. (Transferor)
- (2) Col. Birender Singh Chimni, Mrs. Serena Dhillon C-6;57, Safdarjung Dev. Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the official gazette.

Expanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505 on fifth floor having an approx. area of 300 sq. ft. on the plot to be constructed at Yusuf Sarai, Community Centre.

A. K. MANCHANDA, Competent Authority Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range—V

New Delhi. Dated 14-11-86. Seal:

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1986

निर्देश सं. ग्राई. ए. सी./श्रर्जन 7 /37ईई/3-86/ 1536. — अतः मुझे श्रीवा.के. मंगोला, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जनत प्रक्षिनियम कहा गया है) को घारा 269ख के भ्रवन सक्षम प्रक्रिकारी की यह विश्वास करने का कारण हे कि स्थावर सम्परित, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/-- र. से ग्रधिक और जिसको संख्या --तथा जो सुपर एरिया 930 वर्ग फट क्लेंट नं, 1-101, 11मां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई बिल्लं। में स्थित है (और इसके उपायद धानुसूचः में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) धर्जन रेंज 7 नई दिल्लं में भारताय द्यायकर प्रक्षिनियम, 1961 के प्रयोग तार ख फरवरं, 1986 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजिल बाकार मूल्य, रुसके वृश्यमान प्रतिपल से; ऐसे वृश्यमान प्रतिपाल के पन्त्रह

प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसा धाय का बाबत प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधान कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसा किसा आय या किसा धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारत य आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

मतः प्रब उक्त भधिनियम को घारा 269म के भनुसरण में, उक्त भधिनियम का धारा 269-घ का उप-भारा (1) के भधान निम्नलिखित व्यक्तियां, भर्यात :---

- मैसेंस नायगेरा होटल्स एंड बिल्डसं प्रा. लिमि.
 8 स /6, डब्ल्यू ई ए, करोल बाग,
 नई दिल्ला
 (अन्तरक
- 2. श्र. बं. के खोतला, 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ला (अन्तरितः)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीवत सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहः गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबन्ध में कोई भा प्राधीप

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन को तार.ख से 45 दिन के अविध या तत्सम्बन्धः ध्विषतयों पर सूचना को ताम ल से 30 दिन का अविधि जो बाद में समाप्त होता हो, के मौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसा व्यक्ति द्वारां।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तार, ख से 45 दिन के भातर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवत किसा अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट करण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यय 20-क में यथा परिभाषित है, यहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

मुपर एरिया 930 वर्ग फ.ट फ्लैट मं. 1101 खंड,ः∭ इल्डिंग नं. 4 जनकपुरा डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ला ।

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISI-TION RANGE VII

New Delhi, the 12th November, 1986

Ref. No. IAC|Acq.VII|37-EE|2-86|1536.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1101 situated at Bidg. No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC Range Acq. in Feb. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said Instrument f Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) M's. Niagara Hotels & Builders (P) Ltd., 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. B.K. Khosla,6, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gasette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1101 on the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

Date 12-11-86

Seal:

निर्देश सं श्राई.ए.सं. अर्जन 7/37-ईई/2-86/1537.--श्रतः मुझे, श्राह्म के मंगोता, धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधि-नियम, कहा गया है) क. बारा 269 ख के अधान सक्षम भिधिकारः को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 ह. से प्रधिक है और जिसको संख्या 4 है तथा जो सुपर एरिया 737 वर्ग फ.ट फ्लेट नं. 1101, 11वां खंड, अनकपुर, नई हिल्ता में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध भनुसूच, में पूर्ण रूप से विणित है), सहायक जायकर प्रायुक्त (निरक्षण) बर्जन रेंब 7, नई दिल्लः में भारताय धायकर प्रधिनियम, 1961 के भवान तारीख फरवरा 1986 में पूर्वोक्त सम्परित के उनित बाजार मूल्य से कम्ब के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुरयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितः (भन्तरितियों) के बंच ऐसे भन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसा भाग का बाबत अस्त श्रीधिनियम, के भ्रधान कर देने के भन्तरक के दायित्त्र में कमा करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसं किसं भाय या किसं धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारत य कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिभिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भियोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

भतः भव जन्त श्रीविनयम का घारा 269 म के भन्-सर्ग में, में जन्न प्रीविनयम का घारा 269 म का जपभारा (1) के श्रधान निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत :---

- मैसर्स नावमेरा होटल्स एंड बिल्डरा प्रा. लिमि.
 8 स. /८, डर्म्यू ईए, करोज बता, नई दिल्लो ।
 (प्रन्तरक)
 - 2. श्री की की खीसला 26, बंग्ली रीड, कमला मगर, दिस्ली (प्रन्तरिता)

ः यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ा ं ो शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मा आक्षेप : —

- (क) इस भूवता के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धां व्यक्तियों पर भूवताका तामील से 30 दिन का प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भातर पूर्वित व्यक्तियों में जिसा व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस स्वता के राजपत्त में प्रकाशन की तार ख से 45 दिन के भातर उनत स्वावर सम्पति में हिनबद्ध किया अन्य चाक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरा के पास निखित में निए जा समेंगे।

स्पष्ट,करणः—इसमें प्रयुक्त भावता और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के श्रव्याय 20-क में यथा परिमाणित है, यहः भ्रयं होगा, जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

श्रनुपूच (

सुपर एरिया 737, वर्ग फ,ट फ्लेट नं. 1108, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरा जिला सेंटर, गई दिल्लो ।

ताराख : 12-4-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1537.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1108 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC Range Acq. of New Delhi in Feb. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the transferer(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd., 8C|6, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri B.K. Khosla,26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a Period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 737 sq: ft. Flat No. 1100 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

Date 12-11-86.

Seal:

निर्देश सं आई. प. मी. VII/37EE-2-86/1538.-श्रनः मुझे, श्री अन्तिके. मंगोत्रा, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की घारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिग्रहा उचित बाबार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है और जिसका संख्या 4 है तथा को सूपर एरिया 930 वर्ग फुट फर्म न. 1107, 11वां खेड, जनकपुरी सेटर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक आजकार आयुक्त (निरंक्षण अर्जन रेंग-7 नई दिल्ली में भारतीय मधिनियम, 1961 के मधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम से कम वश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उंचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरितो (धन्तरितियों) के ब्रीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहैका से उक्त प्रम्तरण लिखित में ञ्वास्तविक रूप से कथित मश्री किया गया है:--

> (क) श्रन्तरण से हुई किसीग्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम, के श्रिधीन कर देने के शस्तरच के

दायित्य में कमी लकरने ल्या उससे बचने ओं सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या ध्रनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चिहए था, छिनाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रव उक्त श्रविनियम का धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रविनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीन :--

- मैं. नायगेरा होटल्स एंड विल्डिक ना. लिभि. 8सी/6, डब्जू. इ. ए., करोल बाग नई दिली। (श्रन्बरक)
- 2. श्री जी. के. खोसला, 26, बंग्लो रोड, कमला नगर,, नई दिल्ली (श्रन्तरिती) को यह सूत्रता जारी करके पुर्वीका सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाही सुरु करता है। उक्त सन्यक्ति के अर्जन के स्वय्ध में कोई भी आखेंग : —
 - (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान: सम्पत्ति में दिनग्रंग कियों अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरा के पास तिखित में किए जा सर्जें।

स्राध्ये करणः — इत्र पे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर प्रिविचित्रम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20क में यथा परिमालित है, यही प्रवी होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

. श्रानुषु सी

सुपर एरिया 930 वर्ग फीट, फ्लैट नं. 1107, 11यां खड़, विल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सेंटर, नई दिल्ली।

तार,ख: 12-11-86

मोहर :

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1538.--Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000 |and bearing Flat No. 1107 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration in the Office IAC Range Acq.-7 New Delhi on February 1986 for an ipparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar,

Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid pass within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1107 on the 11th floor Building No. 4, Janakpuri, Distt. Centre, New Delhi.

Dated 12-11-1986.

निरेंग सं. ग्राई. ए. सी./ग्रजन-7/37इइ/2-86/1539:---ं भतः मझे, श्री वी. के. मंगोंद्रा भायकर, भिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के मधीन सक्षम मधिकारी को यह किरवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उंचित बाजार मूल्य 1,00,000/- है. से प्रीधक, है और जिसका संस्था...है तथा जो सूपर एरिया 757 वर्ग फोट 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्टीक्ट सेंटर, मई दिस्ती में स्थित है (और इससे उपावद मनस्वी में पूर्व रूप से वर्णित है), के कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) प्रजेत-रेंज 7, मई किल्ली में भारतीय कायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन ारीख फरवरी 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित कः गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथा (यीकित सम्पति का उचित बाजार मल्य. उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत भधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरितं (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर धन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर प्रिक्षित्यन, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिष्ठीनयम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना भाहिए था, छि सूबिक्षा के सिए।

ग्रतः ग्रम उन्त श्रिधिनियम के, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उन्त ग्रीधिनियम के, धारा 269-व के, उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--

- मैसर्स नायगेरा होडल्स एण्ड बिरिडसं प्रा. लिमि. 8सी/6, डब्ल् इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री बी के खोसला, 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्लो । (ग्रन्त्रिती)

को यह सूर्यमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पति के मर्जन के सबस्य में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजान्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धः व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की प्रवधि के बाद में समाप्त होतः हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही ग्रर्थ होना, को उस भ्रष्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

सुवर एरिया 757 वर्ग फीट फ्लैंट मं. 1102, 11वां खंड विस्टिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर, मई दिस्सी।

वाराख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1539.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 1102 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the 1AC Range Acq.-7 of New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd., 8C/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Super Area 757 sq. ft. Flat No. 1102 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

Date: 12-11-1986.

Seal

निर्देश सं. आई. ए. सी./अर्जन/7/37इइ/2-86/1540:~ अतः मुझे श्री वी. के. मंगोबा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00, 000/- इ. मे अधिक है और जिसकीं मंख्या फरेट नं. 1109 है तथा जो मुपर एरिया 631 वर्ग फीट जनकपुरी लैंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूच। में एवं रूप से विणित है), महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 7 नर्ड दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम । १९६१ के अधीन नारीख फरवरी । 1986 को पुर्वस्ति समाति के उचित्र बाजार, मूल्य से कम से कम दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अहारित की गई है और मुझे से विश्वास करने का कारण है कि एस पुर्वोक्त सम्मति का उचित-बाजार मुल्य, उसके दृश्यमहा प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल केपन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया 1162 GI/86--2

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीर निम्तनिवित व्यक्तियों, अर्थान्:--

- 1. श्री/श्रीमिति/कुमारी नायगेरा होटल्स एंड बिल्डर्स प्रा० लिमि. 8 सी/6, डब्स्पयू इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्यक्र)
- 2. श्री त्री. के. खोसला 26, बंग्लो रोड़, कमना नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजस्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना का ताम ल से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत को तारोब कि वि दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहेंगे।

म्युष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मन्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रशासित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमकी

सुरर एरिया 631 वर्ष फुट पलेट नं. 1109, 11वर्ष खंट बिल्डिंग नं. 4, जनक पुरी डिस्ट्रिक्ट मेंटर, नई दिल्ली नार खं: मोहर :

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1540.—Whereas I V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) [hereinafter referred to as the said Act] have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 1109 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt, Centre, New Delhi (and more fully lescribed in the Schedule annexed hereto) has been ransfered under the Registration in the Office IAC Range Acq. 1 New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such 'ransfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M]s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Shri B. K. Khosla,
 Bungalow Road,
 Kamla Nagar, Delhi.

(Transferse)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 631 sq. ft. Flat No. 1109 on the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date 12-11-1986. Seal

निर्देश मं, आई, इ. ए. सी./अर्जन/7/37ईई/2-86/ 1560:-अतः मझे श्री वी. के. मंगोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम ' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकार, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- मृ. से अधिक है, और जिसकी संख्या फ्लेट नं. 1103, है तथा जो सुपर एरिया 11 वां खंड बिल्डिगं नं . 4, जनकपूरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूच में पूर्व रूप से वर्णित है) सहाक्षक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज ७ नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त संपत्तिके उचित बाजार मन्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये विण्वास करते का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सर्वत्तिका उचित-बाजार मृत्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधितियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थानः—

- श्री/श्रीमित/कुमारी मैंसर्स तायगेरा होटल्म एंड बिल्डिर्स प्रा. लिमि 8 सी/6, डब्ल्य् इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्री बी के खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न संपक्ति के अर्जन के लिए कार्य शुरु करता है। उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामाल से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपंति में हितबड़ किसी अन्य उपक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वय्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिमापित है, यहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू वी

मुपर एरिया 745 वर्ग फोट फ्लेट नं. 1103, 11वा खंड बिल्डिग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, बूँनई । दल्ली।

ताराख: 12:11-86 मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86-1560.-Whereas 1, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) [hereinafter referred to as the said Act] have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 1103 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office IAC Range Acq. New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) **and** transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Shri B. K. Khosla,
 Bungalow Road,
 Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 745 sq. ft. Flat No. 1103 on the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-1986.

Seal:

निर्वेश सं.आई .ए :मा ./एवयू. 7/3 7इइ/2-86/1554:-ग्रत: मुझे, श्री वी.के. मंगोला श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से श्रिधिक है और जिसक, संख्या-है तथा जो सुपर एरिया 737 वर्ग फुट पलैंट नं. 1111, खंड 11, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सेण्टर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मेंस्विधा के लिए और/या
- (ब) रेतो किसी स्राय या किसी धन या भ्रन्य स्नास्तियों को जिन्हे भारतीय स्रायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा . लिए ।

द्धा : ११ । ३१ अजिनियम क धारा 269-ग के <mark>प्रनुसरण</mark> इन्त क्षित्रिक कि धारा 269- खाउपधारा (1) के अधे . िमालिखित व्यक्तियों, ग्रर्भात :---

1. मैं 🎲 शयगेरा होटल्स एंड बिल्डिर्स प्रा.लि. 8 सी/ 6, डब्ल्युइए, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तः क)

2. श्रीमति सती : खोसला पत्नी बी. के. खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कीं ग्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताम ल से 30 दिन की प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनगढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

ाज्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रवितियम, 1961 (1961 का 43) के प्राध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, यही ग्रर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सूपर एरिया 737 वर्ग फीट फ्लैंट नं. 1111, 11वां खंड बिहिइंग नं. 4, जनकपूरी जिला सटर, नई दिल्ली।

त[™]र(ख : 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1554.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 [43 of 1961] (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1111 situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred under the Registration in the Office IAC Acq, Range I, New Delhi on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have, not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M|s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
- (2) Smt. Satish Khosla, Wo Sh. B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the official Gazettee:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 737 sq. ft. Flat No. 1111 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-86.

Scal:

निर्देश मं. आई ए मा/एक्प-7/37इइ) 286/ 1555:-- अतः मुझे, श्री वी के भंगोला श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000)- ६० से प्रधिक है और जो सुपर एरिया 930 फीट फ्लेट नं. 1112 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी जिला सेंटर, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्षणत है), सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रश्धिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और भन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न--लिखित उद्देश्य से उंक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

- (क) श्रन्तरण में हुए किसी श्राय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अंतरल के दाग्नित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. खिलाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः श्रव उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्शात:—

 मैंसर्स नायगेरा होटल्स एड बिल्डर्स प्रा. लि. 8सा/6, डब्ल्य इ ए, करोल बाग नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सतीश खोसला पत्नी भी, के, खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इसं सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीखासे 45 दिन की भ्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताधारी के पास निखित में किए जा सर्तेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त गड्दां और पदों का, जो श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

मुपर एरिया 930 वर्ग फीट फ्लैट नं. 1112, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला मेंटर, नई दिल्ली।

तारीख: 12-11-86

मोहर :

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1555.—Whereas I V. K. Mangotra being Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1112 situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office IAC Acq, Range I, New Delhi on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:—

- (1) M/s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Satish Khosla, W|o Sh. B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1112 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-86.

Seal:

निर्देश सं. आई ए सा/ए क्यू 7/37ईई/2-86/1556: - प्रतः मुझे, श्रो वी के मंगोत्रा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) को धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ह. में प्रधिक हैं और जो स्पर एरिया, 930 वर्ग फीट फ्लट नं. 1106

11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायकर प्रायुक्तर प्रायुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज 7 नई दिल्ली में भारताय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन नारी खफरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम में कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे ये विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रांधक है ऑर प्रन्तरक (प्रान्तरकों) और प्रान्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल हम से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसं आय के बावन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अयोन कर देने के अन्तरल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन वा श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रीधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम का धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के श्रधीन निम्नैलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

 मै. नायगेरा होटल्म एंड बिल्डिस प्रा. लि. असी/6, डब्ल्युइए,करोल बाग, नई दिल्ला

(अंतरक)

2. श्रा सताम खोसला पत्नी बोकेखोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्ला। (श्रन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्येवाहा गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्तक्षरा के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पर्दाक्षण्या :--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिकाधित है, यह अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन् सूचे।

सुपर एरिया 930 वर्ग फोट फ्लैट नं. 1106, 11वा खंड विल्डिंग नं. 4, जनकपुरा डिस्ट्राक्ट सेंटर, नई दिल्ला।

तर्ख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq VII₁37-EE|2-86|1556,—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 Flat No. 1106, situated bearing No. at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC Acq. Range I New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mls. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C|6, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Satish Khosla Wlo
 Sh. B. K. Khosla,
 26. Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period

of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the official Gazette :

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1106 on the 11th floor, Building No. 4, Janukpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-86.

Seal:

निर्देश मं. श्राई. ए. मः अर्जन/7/37-ई ई/2-86/1557.--ग्रतः मझे. श्री वी० के० मंगीता ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रध-नियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- ह. से ग्राधिक है और जिसकी संख्या ···· है तथा जो सुपर एरिया 709 वर्ग 11यां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी डिस्टीक्ट वेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत अनसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), सहायक भ्रायकर ऋ।युक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम. 1961 के अधीम तारीख फरवरी 1986 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्र से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से ब्रधिक है और ब्रन्तरक (ब्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ हारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---

- मैं तर्भ नायगेरा
 होटल्स बिल्डिस प्रा. लि.
 8सी/6, डब्ल्यू. इ. ए.
 करौल बाग, नई दिल्ली। (ग्रम्तरक)
- श्रीमति सतीण खोसक्षा पत्नी बी.के.खोसला 26. वंग्लो रोड, कमला नगर,
 दिल्ली। (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यह ग्रेथि होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मुगर एरिया 709 वर्ग फीट फ्लेट नं. 1105, 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, नई दिल्ली।

नारीख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/1557.—Whereas I. V.K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1105, situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC/Acq. Range 1, New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds

the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ms. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C'6. W.E.A., Karol Bagh. New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Satish Khosla Wlo

Sh. B. K. Khosla,

26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette;

Explanation: The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Super Area 709 sq. ft. Flat No. 1105 on the 11th floor Building No. 4. Janakpuri District Centre, New Delhi,

Date: 12-11-86.

Seal

निर्भेण मं. प्रार्ड. ए. सी. /प्रार्थन 7/37ई ई/2-861558:— अंतः मुझे, श्री बी. के. संगोता, श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पण्चात् 'उक्त ग्राधि-नियम' कड़ा गया है) की धारा 269ख के ग्राधीन सक्षम यश्चिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि न्यायह प्राप्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000 है से श्राधिक है और जिसकी संख्या है तथा को सुपर एरिया 586, वर्ग फीट फ्लेट, नं. 1110, 11वां खंड, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्व रूप मे विणत हैं), सहायक प्रायकर प्रायकित के प्रधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य के कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित-बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) जोर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से ग्रिधक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए और/या
- (जा) ऐसा किसा भाष या किसी घन या प्रश्य धास्तियों को जिन्हों भारतीय भाषकर ग्रंधिनियम, 1923 (1922 का 11) या भाषकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व द्वारा प्रकट नहीं किमा गया था किया जाना चाहिए था, फ्रिपनि में सुविधा के लिए,

भतः भव उक्त भिवितियम की धारा 269-ग के भनुसरक ा, मैं उक्त भिवित्यम की धारा 269-य की उरधारा (1) क भिवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :—

- मैसर्स नायगेरा होटल्स, (भ्रन्तरक)
 एंड बिल्डिर्म प्रा. लि.
 8सो/6, डब्ल्य ई-ए, करोल
 बाग, नई दिल्ली।
- श्रोमित सतीश खोसला पत्नी बी० के० खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप

(क) इस सूचना के राजपन्न में त्रकासन की तारीचा के 45 दिन की सपक्षि का तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों कर 1162 G1/86-3

सूचना को तामील से 30 दिन की श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में कियो व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही गर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में वियागया है।

धनुसूची

सुपर एरिया 586 वर्ग फीट फ्लैंट नं. 1110, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी, जिला सेंटर, नई दिल्ली।

तारीख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/2-86/1558.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1110 situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC/Acq. Range I, New Delhi on February. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Mis. Niagara Hotels & Builders (P) Ltd., 8Cl6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi., (Transferer) (2) Smt. Satish Khosla, woo. Sh. B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super Area 586 Sq. ft. flat No. 1110 of the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Quie bi42-11-86.

अार्ट कि सं . ब्राई पू . सी /अर्जन 7/37ईई/2-86/1559:-कर्ताः मुक्तः श्रंधे वशः केः मंगोताः अध्यकरः अधिनियम्, 1961ः '(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रधि-नियम कहा गया है) के धारा 269ख के अर्धन सक भाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा सुपर एरिया फ्लैट नं! 1104, 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 7 नई दिल्लो में भारतीय आयकर ऋधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बोच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय परमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

ें (क) जन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत आयकर प्राधितयमें, 1961 (1961 की 43) के ब्रधीत के किसी करने किसी करने किसी अपने करने की उससे बर्चन में मुनिधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनित्रम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

त्रतः अब उनतं, ग्रिबिनियमं को धारा 269-ग के अनुसरण में, मै उनतं ग्रिबिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिबिन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिबिन —

- मैसस (ग्रन्तरक)
 नायगेरा होटल्स एंड बिल्डिंप
 प्रा. लि. 8स / 6, डब्ल्यू
 इं-एं, करोल बाग, नई
 दिल्ली।
- 2. मिस रूची खोसला एंड बाहा, खोसला सपुता व ० के० खोसला 26, बंग्ली रोड, कमला नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की यहं सूर्यमा जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति ग्रर्जन के लिए कॉर्में बाहा शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध मैंरिकोई भी ग्राह्मीय :

- (कं) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तार ख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एक
 सूचना को तामाल से 30 दिन की अवधि बादें, में
 रागी में हैं हैं। हो की की तरीपूर्ण तते व्यक्तियों में
 किसी व्यक्ति द्वारी; "
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हैं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्राय ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यहा ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन् सूची

सुपर एरिया 745 वर्ग फोट फ्लट नं. 1104, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, नई दिल्ली ।

वी. के. मंगोता, सक्षम ग्रधिकारी वारीहर,12-11-86 सहामक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्धिण) मोहरकारा ग्रजन रैंज-7

Ref. No. IAC|Acq.VII|37EE|2-86|1559.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and hearing Flat No. 1104 situated at Bldg. No. 4 Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office IAC' Acq, Range-1, New Delbi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferce (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under approximation (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Niagara Hotels & Builders (P) Ltd., 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss Ruchi Khosla & Vahi Khosla d|o. Sh. D. K. Khosla 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazettee:

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super Area 745 sq.ft. Flat No. 1104 on the 11th floor Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-1986.

Seal

V. K. MANGOTRA, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range VII

